सफलता पाने के लिए सुस्ती छोड़ें युवा

प्रयास में कमी से मिलती है विफलता

मित्रों यूं देखा जाए तो दुनियां में हर व्यक्ति सफल होने का प्रयास करता है, आगे बढ़ने का प्रयास करता है, पैसा कमाने का प्रयास करता है, लेकिन कुछ चुनिंदा लोग ही ऐसे होते हैं जो अपनी मंजिल प्राप्त करते हैं और दुनियां को एक सीख देकर जाते हैं, लेकिन ज्यादातर व्यक्तियों को असफलता ही मिलती है क्योंकि वो अपने लक्ष्य को अपना 100 प्रतिशत नहीं दे पाते या उनका कोई लक्ष्य ही नहीं होता। ऐसे लोग जीवन भर केवल संघर्ष ही करते रह जाते हैं। हममें से ज्यादातर लोग ऐसे होंगे, जो सफल होना चाहते हैं पर किन्हीं कारणों की वजह से वो अपने लक्ष्य से दूर हैं। हम इस आर्टिकल में कुछ ऐसे ही विषय पर चर्चा करेंगे, जिनकी वजह से हम अपनी मंजिल से दूर हैं। क्या हैं वो कारण जो सफल और असफल व्यक्तियों में एक फासला पैदा करते हैं? ऐसा क्या है जो सफल व्यक्ति कर लेता है और असफल नहीं?

जिंदगी में तकनीक की बढ़ती भूमिका की वजह से ही भारतीय युवा सुस्त हो रहे हैं। इतना ही नहीं बाकी देशों का हाल भी लगभग ऐसा ही है। तकनीक ने जहां हमें सुविधाएं दी हैं, वहीं हमारी मशीनों पर निर्भरता भी बढ़ा दी है। इस वजह से हमारा काम तो प्रभावित हो ही रहा है, साथ ही हमें विभिन्न बीमारियां भी घेर रही हैं। एक शोध के अनुसार भारतीय युवा अन्य देशों के युवाओं की तुलना में अधिक सुस्त हैं। इस खुलासे के बाद इस बारे में दिल्ली के युवाओं की राय जानी तो तकनीक पर अत्याधिक निर्भरता इसके लिए दोषी ठहराई गई।

अपनी संस्कृति को न भूले

लगता है कि आलस के चलते ही हम कई क्षेत्रों में पीछे हैं। हमने पश्चिमी देशों की उपभोक्तावादी संस्कृति तो अपना ली, लेकिन उनकी अच्छाइयों पर ध्यान नहीं दिया। उनकी तरह वक्त के पाबंद नहीं बने। इतना ही नहीं, हम अपनी संस्कृति की अच्छाइयों को भी भूल रह हैं।

अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं युवा

हालांकि आज भारतीय हर क्षेत्र में आगे आ रहे हैं। चाहे वो खेल का क्षेत्र हो, सिनेमा हो या फैशन। वे ऊर्जा से भरे हुए हैं और विपरीत परिस्थितियों में भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस तरह की नकारात्मक बातें भारत की ब्रैंड इमेज के लिए घातक साबित हो सकती हैं, लेकिन फिर भी रिसर्च को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ीं

शहरी युवा ग्रामीण इलाकों में रहने वाले युवाओं की तुलना में ज्यादा आलसी हैं। इसकी वजह यह है कि उनके पास हर काम के लिए गैजेट्स हैं जिनके चलते उन्हें शारीरिक श्रम नहीं करना पड़ता। पर इसकी कीमत उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के रूप में चुकानी पड़ती है।

खुद को कर रह हैं साबित

भारतीय युवा काफी संघर्ष करते हैं। विकसित देशों की तरह यहां उन्हें उतने संसाधन नहीं मिलते। इसके बावजूद अपनी इच्छाशक्ति और जिजीविषा के दम पर वे खुद को बराबर साबित कर रहे हैं। जरूरत है तो उनकी उपलब्धियों को प्रसारित करने की। उन्हें पहचान दिलाने और प्रोत्साहित करने की।

आत्मसुधार

हर इंसान में कुछ न कुछ कमियां जरूर होती हैं। ऐसा शायद ही कोई इंसान संसार में होगा, जिसके अंदर कोई कमी न हो। सफल व्यक्ति अपनी कमियों को ढूंढते हैं और लगातार उन्हें दूर करने की कोशिश करते हैं, अपना आत्मसुधार करते हैं, वहीं दूसरी ओर असफल व्यक्ति कभी अपनी कमियों पर ध्यान नहीं देते और हमेशा खुद को बुद्धिमान समझते हैं और इसी घमंड की वजह से वो सफलता से दूर रह जाते हैं। वैसे अपनी कमियों का आंकलन करना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन सफल वही है जो आत्मसुधार कर सके।

निर्णय लेने की क्षमता

आपके निर्णय और फैसले ही आपकी सफलता के जिम्मेदार होते हैं। सफल व्यक्ति सही समय पर सही निर्णय लेते हैं, जबकि असफल व्यक्ति हमेशा यही सोचता रहता कि दूसरे लोग क्या सोचेंगे और जीवन में सही निर्णय नहीं ले पाते। तो आपको चाहिए अपने निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाएं और घबराएं नहीं।

अपनी गलतियों की जिम्मेदारी लो

अक्सर देखा जाता है कि ज्यादातर लोग अपनी गलती होने के बावजूद भी खुद की गलती मानने से कतराते हैं, जो अपनी गलती की जिम्मेदारी दूसरों पर थोपने की कोशिश करते हैं, लेकिन सफल व्यक्ति हमेशा अपनी गलतियों को मानते हैं और उन्हें दूर करने का प्रयास करते हैं। यही कारण है कि वो बहुत जल्द खुद में सुधार करके मंजिल की ओर बढ़ते जाते हैं।

दृढ़ संकल्प

सफल लोग रास्ते बदलते हैं, मंजिल नहीं, जबकि असफल लोग एक ही रस्ते में कई मंजिलें बदल लेते हैं। सफल लोग मजबूत संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं और रास्ते में आने वाली परेशानियों का सामना करते हैं और मुश्किलों का हल ढूंढने की कोशिश करते हैं, जबकि असफल लोग परेशानियों से घबरा जाते हैं और अपनी मंजिल ही बदल बैठते हैं और यही उनकी हार का मुख्य कारण भी है।

कम बोलना और ज्यादा सुनना

किसी महापुरुष ने कहा है कि जब हम सुनते हैं तो हम कुछ नया सीख रहे होते हैं और जब हम बोलते हैं तो हम कुछ बातें दोहरा रहे होते हैं जिन्हें हम पहले से जानते हैं। तो कोशिश करें कि ज्यादा सुनें और कम बोलें, ये सफलता का मुख्य कारण है वहीं असफल लोग ये मान लेते हैं कि वो बहुत बुद्धिमान हैं और सबकुछ जानते हैं और इसी घमंड में वो कुछ सीखने की कोशिश नहीं करते।

लगातार प्रयास

ये जरूरी नहीं कि आप जो काम कर रहे हैं वो बिल्कुल सही ही हो और ये भी निश्चित नहीं कि आप सफल होंगे या नहीं, लेकिन लगातार प्रयास एक न एक दिन आपको सफल बना ही देगा। सफल लोग कभी हार नहीं मानते और लगातार हो रही विफलताओं के बावजूद भी आगे बढ़ने की कोशिश करते रहते हैं, वहीं असफल लोग एक बार विफल होने के बाद उम्मीद छोड़ देते हैं और हार मान लेते हैं।

Motivational Writer शिव खेड़ा का कहना है कि सफल लोग कुछ अलग काम नहीं करते वो बस अलग तरीके से काम करते हैं, ये बात बिल्कुल सत्य है। हर इंसान के अंदर समान प्रतिभा है, लेकिन सफल लोग अपनी प्रतिभा को पहचान लेते हैं, जबकि असफल लोग ऐसा नहीं कर पाते।